PAP-16070101050200 Seat No. _____

B. R. S. (Sem. V) (CBCS) (W.E.F.-2016) Examination

October / November – 2018

FND-7 : Hindi Lit. & Language Correction

(New Course)

Time : $2\frac{1}{2}$ Hours] [Total Marks : **70**

सूचना : सभी प्रश्नों के उत्तर सूचनानुसार दीजिए ।

१ निम्नांकित प्रश्नों के सूचनानुसार उत्तर दीजिए : १५

(१) मन में बँधी हुई गाँठ – शब्द समूह के लिए एक शब्द दीजिए ।

(२) इतिहासीक शब्द का शुद्ध रूप दीजिए ।

(३) कबड्डी शब्द किस भाषा का है ?

(४) जो माँस नहीं खाता – शब्द समूह के लिए एक शब्द दीजिए ।

(५) अथोपतन शब्द का शुद्ध रूप दीजिए ।

(६) रसगुल्ला शब्द किस भाषा का है ?

(७) जो किये गये उपकारों को मानता है – शब्द समूह के लिए एक शब्द दीजिए ।

(८) माताभक्ती शब्द का शुद्ध रूप दीजिए ।

(९) इडली शब्द किस भाषा का है ?

(१०) जिसका जन्म आगे हुआ हो – शब्द समूह के लिए एक शब्द दीजिए ।

(११) अंगना शब्द का शुद्ध रूप दीजिए ।

(१२) जिसके पास थोड़ी सी पूँजी है – शब्द समूह के लिए एक शब्द दीजिए ।

(१३) काजू शब्द किस भाषा का है ?

(१४) वरून शब्द का शुद्ध रूप दीजिए ।

(१५) सौगात शब्द किस भाषा का है ?

२ हिन्दी शब्द समूह पर निबंध लिखिए । १५

अथवा

२ राष्ट्रीय एकता को बनाये रखने में सर्वाधिक योगदान हिन्दी भाषा का है – तर्क संगत उत्तर दीजिए । १५

३ निम्नांकित में से किन्हीं **तीन** टिप्पणी लिखिए : १५

(१) एटीएम की सुविधा के लिए बैंक मेनेजर को पत्र लिखिए ।

(२) वर्तनी की अशुद्धियाँ ।

(३) अनुवाद की उपयोगिता ।

(४) हिन्दी विषय शिक्षक के लिए आवेदन पत्र लिखिए ।

(५) नये पाठ्यक्रम की पुस्तकें मँगवाने के लिए राजकमल प्रकाशन, दिल्ली को पत्र लिखिए ।

४ संक्षेपण के गुणों पर प्रकाश डालिए । १५

अथवा

४ अनुवाद किसे कहते है ? उनके प्रकारों की विस्तृत चर्चा कीजिए । १५

५ निम्नलिखित परिच्छेद का संक्षेपीकरण कीजिए : १०

कवि का काम है कि वह प्रकृति विकास को खूब ध्यान से देखें । प्रकृति की लीला का कोई ओर–छोर नहीं, वह अनन्त है । प्रकृति अद्‌भूत खेल खेला करती है । एक छोटे से फूल में वह अजीब कौशल दिखलाती है । वे सर्वसाधारण के ध्यान में नहीं आते । ये सबकी समझ में नहीं आ सकते, पर कवि अपनी सूक्ष्म दृष्टि से प्रकृति के कौशल को अच्छी तरह देख लेता है, उनका वर्णन भी वह करता है । उनसे नाना प्रकार की शिक्षाएँ भी वह ग्रहण करता और संसार को लाभ भी पहुँचाता है । जिस कवि में प्राकृतिक कौशल देखने और समझने की जितनी ही अधिक शक्ति होती है, वह उतना ही महान होता है ।

अथवा

निम्नलिखित परिच्छेद का गुजराती में अनुवाद कीजिए :

जीवन में दुःख और सुख अटल और अनिवार्य है । दोनों एक–दूसरे के महत्त्व को बढ़ाते हैं । फिर भी सुख में एक प्रकार की तृप्ति है जो वह विकास की गति को रोक देती है । दूसरी ओर दुःख में एक प्रकार की अतृप्ति है । एक अभाव रहता है, जिससे आदमी सतत क्रियाशील रहता है । अपने दुःख को दूर करने के लिए वह नाना प्रकार की मुसीबतें सहता है । जीवन के कड़वे घूँट पीकर वह समझता है कि जिन्दगी कहीं पर मानव को घायल कर देती है । अनुभवी व्यक्ति अपने अनुभव से दूसरे दुःखी व्यक्तियों की पीड़ा को समजकर उसकी यथाशक्ति सहायता करता है । यह उक्ति यहाँ चरितार्थ होती है – 'घायल की गति घायल जाने और न जाने कोई ।' ऐसे मनुष्य मनुष्य की सहायता करते हैं । यही मनुष्यता है ।